News Broadcasting & Digital Standards Authority
Order No. 142 (2022)

Order of NBDSA on complaint dated 1.12.2020 from Mr. Matin Mujawar against Zee News - programme aired on 24.11.2020

The complaint is against the news programme titled *"DNA Live | Guru Tegh Bahadur ने दी थी शहादत | 9th Sikh Guru | Sudhir Chaudhary"* which was aired on Zee News on 24.11.2020.

ZEE न्यूज़ ने सिख समुदाय के नौवे (९ वे) गुरु तेक बहादुर के विषय को लेकर "इस्लाम और मुस्लिम समाज पर निशाना थामा. है " गुरु तेक बहादुरजी के ह्त्या को लेकर मेलमिलप से रहने वाले दो अल्पसंख्याक समाजो में हिंसक स्तिथि निर्माण करने की साजिश है. ZEE न्यूज़ एक लम्बे समय से मुस्लिम विरोधी प्रचार करके देश में इस्लाम और मुस्लिम अल्पसंख्याक समाज के प्रति घृणा, जनसमुदाय में रोष और एक हिंसक स्तिथि निर्माण करने का अभियान चला रहा है. ZEE न्यूज़ किसी कट्टर पंक्ति संघटन से प्रेरित होकर देश को फिर एक बार भीषण हिंसा के स्तिथि में झोकने का प्रयास कर रहा है. ZEE न्यूज़ द्वारा प्रसार माद्यम के होने वाले दुरूपयोग के खिलाफ समय समय पर देश भर में तथा NBSA में कई संगीन शिकायते दर्ज है. ऐसे होते हुए भी इस तरह से द्वेष निर्माण करने वाली खबरों के प्रसार से ZEE न्यूज़ ने कानून से बेख़ौफ़ होने की मिसाल पेश की है.

ZEE न्यूज़ के एंकर सुधीर चौधरी ने बड़े ही चतुरता से खबरों की शुरुआत कुछ इस तरह करते हुए देश के जननता को और सिख समुदाय को इस्लाम याने मुस्लिम समुदाय के खिलाफ बर्गलानेका/भड़काने का प्रयास किया है।

अब हम आप से दो सवाल पूछना चाहते है पहला सवाल यह है के आप जानते है के महात्मा गांधी की हत्या किसने की थी ????? और दुसरा ये के सिखों के नौंवे गुरु तेक बहादुरजी की हत्या किसने करवाई थी?????

महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे का नाम एक सेकंड में आगया होगा। ज्यादा सोचने की भी जरुरत नहीं पड़ी होगी, लेकिन गुरु तेक बहादुरजी के हत्यारे के नाम आप अभीतक याद नहीं कर पारहे होंगे आप कहेगे याद नहीं आरहा लेकिन हम आप को बता देते है उस हत्यारे का नाम है औरंगज़ेब जिसे आप कहते है मुग़ल शासक ... मुग़ल शासक औरंगज़ेब इतिहास कारों की जुबान में...

आज ये सवाल हम आप से इस लिए पूछ रहे है के आज ही के दिन १६७५ में गुरु तेक बहादुर ने अपनी शहादत दी थी वो सीखों के नौंवे गुरु थे और औरंगज़ेब के आदेश पर गुरु तेक बहादुर को मौत की सजा दी गई थी. तब औरंगज़ेब ने गुरु तेक बहादुर को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए कहा था पर उन्होंने ऐसा करने से साफ़ इंकार करदिया था... औरंगजेब भारत को एक इस्लामिक राष्ट्र बनाचाहता था. कश्मीरी पंडितों को जबरदस्ती मुसलमान बनने के लिए मजबूर भी किया था. गुरु तेक बहादुर ने मद्त की तो उन्हें बंदी बनादिया गया, उन्हें बहोत सारी यातनाये दी, उनके शिष्यों को उनके सामने ही ज़िंदा जला दिया गया. गुरु तेक बहादुर को इस्लाम अपनाने के लिए कहा गया इंकार करने पर उनका सर याने शीश कटवा दिया।

इस्लाम शब्द का बार बार प्रयोग करके ZEE न्यूज़ खुले आम इस तरह के खबरों द्वारा अल्पसंख्यक समाज के विरोध में नफरत भरी स्तिथि को निर्माण करने का लगातार प्रयास कर रहा है. जो एक भयंकर अपराध है, इसके खिलाफ कई साबुत हमने कानूनी कार्रवाई के लिए इकट्ठे किये है और आने वाले दिनों में हम अदालत में पेश करेंगे।
धर्म परिवर्तन के विषय को लेकर आगे सुधीर चौधरी कहता है के इस्लाम के नाम पर कैसे धर्म परिवर्तन करवाया जा रहा है. विवाह के समय शादी के समय जिसे अब लव जेहाद का नाम आजकल लोग देते है लेकिन ये कोई आज की समस्या नहीं है ये काम सेकड़ो हजारो वर्षो से हो रहा है और तबभी उस जमाने में भी इस्लाम के नाम पर धर्मपरिवर्तन करवाया जाता था. जबरदस्ती करवाया जाता था और जो बहादुर लोग थे जो इतनी बहादुरी रखते थे जो इंकार कर सके जो मुग़ल बादशाहो के सामने खड़े रहे सके सीना तान कर उनके सर कटवाए जाते थे

इस से पहले भी जेहाद शब्द का प्रयोग करके मुस्लिम समाज और इस्लाम धर्म के विरुद्ध गलत प्रचार करना मुस्लिम समुदाय के प्रीतिमा को बदनाम करना और लोगों के मन में इस समाज प्रति हिंसक भावना निर्माण करना आदि के जुर्म में सुधीर के खिलाफ केरल में FIR दर्ज है.ऐसे होते हुए भी सुधीर चौधरी और ZEE न्यूज़ लगातार कानून व्यवस्था को बेख़ौफ़ होकर चैलेंज कर रहे है.

सुधीर ने कानून को और देश के सुव्यवस्था को खुले आम चुनौती दी है और हमेशा से देता आया है. सुधीर ने देश के जनता को बरगलाया है. न्यूज़ एंकर सुधीर की भाषा और ऐसे खबरों मुस्लिम समाज के विरोध में जनप्रकोप को उत्तेजित करने वाली है. न्यूज़ एंकर सुधीर ने करोडो लोगों के सामजिक भावनाओ को चोट पहोचाई है.

ZEE न्यूज़ द्वारा प्रसारित होने वाली इस किसम की खबरे केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम 1995 की धारा 19 और 20 और टेलीविजन चैनलों नीति निर्देशों के खंड 8 के अनुसार कानूनी कार्रवाई के लिए पात्र.

राज्य में मुस्लिम समुदाय और विभिन्न धर्मों और समुदायों प्रति नफरत फैलाने के जुर्म में न्यूज़ एंकर सुधीर चौधरी पर भारतीय दंड संहिता धारा १५३, १५३ A, २९५A,२९८, ५००, ५०५(२), ५०६, ५११, १२०बी, १२४अ, ४९९, और अन्य सेक्शन के तहत अपराधी के कटघरे मे खड़ा किया जाए. सुधीर चौधरी को केंद्र सरकार से मिली सरकारी सुरक्षा वापस लेलीजाये, NBSA कानूनी कार्रवाई करे, केंद्र सरकार से वैसा पत्र व्यहवार करे. अगर आप के द्वारा कड़क कार्रवाई नहीं की गई तो हम न्याय के खातिर आप के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे

Reply dated 12.1.2021 from the Broadcaster:

The broadcaster stated that, the complainant had raised various false, misleading, frivolous and motivated allegations against the content of its programme 'DNA'. The impugned programme, related to the martyrdom of the 9th Sikh Guru, Guru Teg Bahadur, who was killed on the order of Mughal Emperor Aurangzeb on 24.11.2020

The broadcaster denied the allegations levelled and insinuation contained in the complaint. At the outset, it stated that that the complainant was not maintainable, inasmuch as the complaint was not filed in consonance with the requirement prescribed in News Broadcasting Standards Regulations. It submitted that as per Regulation 8 and 8.1.6, the complainant is first required to make a complaint with the broadcaster within a reasonable period not exceeding seven days from the date of the first broadcast, and it is only in the event the broadcaster failed to respond to such complaint within a period of 7 days, the cause of action to file a complaint with this Authority arises in favour of the complainant. Further, the proviso to Regulation 8.1.7 of the Regulation states that *'the Authority shall not entertain any complaint unless before filing the complaint with the Authority, the complainant has made a complaint in writing to the concerned broadcaster as aforesaid; and the broadcaster has not responded, or the complainant is not satisfied with or the complainant's grievance is not redressed, by such response'*. Thus, in the present case, the complainant failed to first notify his grievances to the broadcaster within a period of 7 days from the date of the impugned broadcasts, and as such, the present complaint was not maintainable. Apart from the aforesaid, the broadcaster stated that the complainant had failed to submit the declaration at the bottom of the complaint as stipulated under Regulation 8.4.

Furthermore, the broadcaster submitted that the complaint was not maintainable before the NBSA, inasmuch as the impugned programme did not violate any of the Guidelines and the Code of Ethics & Broadcasting Standards

The broadcaster stated that the contents of the impugned programme never intended to outrage the religious feelings of the Muslim Community or disturb the communal harmony, as alleged. That since 24.11.2020 was Guru Teg Bahadur Martyrdom day, it had in its programme 'DNA' reported about Guru Teg Bahadur and paid reverence to him. In the impugned programme, it had reported the historical fact that Guru Teg Bahadur was killed by the Mughal Emperor Aurangzeb, who had pressurized Guru Teg Bahadur to convert his religion to Islam. Further, as per the verified sources, it reported that Aurangzeb wanted to create India as an Islamic State, and as such, he forcefully converted Kashmiri Pandits to IslamDespite the aforesaid fact, several places in India are named after the Mughal Emperor Aurangzeb and very few people remember the martyrdom of Guru Teg Bahadur. Therefore, the broadcaster stated that in the impugned show, it had conducted an analysis of the fact that despite serving humanity and his religion, people did not know much about Guru Teg Bahadur, and as such, there was a need to give reverence to the people who served the humanity and fought for the nation.

It stated that the contents of the impugned programme were based on verified historical facts, and no part of the programme could be said to have caused hurt to the religious sentiments of any particular religion. It denied that the aforesaid reporting was done with an intent to provoke the communal disharmony or religious tension.

In view of the aforesaid, the broadcaster stated that since it had neither breached any of the guidelines of NBSA nor committed any of the offences, much less the offences under Sections of Indian Penal Code, as alleged. It reiterated that it had strictly adhered to principles of neutrality, impartiality and fairness in the broadcast of the impugned programme.

The broadcaster stated that since it had abided by the principles of news reporting, broadcasting and journalistic norms and the complainant had failed to establish any deviations therefrom, the complaint ought to have been dismissed at the outset.

Further reply dated 28.12.2020 & 18.1.2021 from the complainant:
The complainant stated it appeared to him that the impugned programme was clearly a pre-planned agenda targeting one religion to cause danger and harm to the life and democratic rights of minorities as well as to disturb the communal harmony of the state. The news channel was frequently targeting minorities by airing provocative news. The complainant alleged that the broadcaster was trying to create communal unrest in the country and needed to be stopped with a penalty and strict legal action, and cancellation of the license to broadcast news.

The complainant prayed for NBSA to personally look at the subject news to know and understand the intentions of the broadcaster, who had very smartly planned to target Islam, Muslims and Minorities of the country through a series of broadcasts with the long term harsh motives and communal intentions.

The complainant applied for the Authority to condone any delay in the filing of the present complaint.

Decision of NBDSA at its meeting held on 18.2.2021
Before considering the complaint on merits, NBSA noted that under Regulation 8.2 there had been a delay of 4 days on the part of the complainant in filing the complaint with the Authority. The complainant should be directed to submit the reason/s for not filing the complaint within the prescribed time period before the Authority proceeds any further with the complaint.

Decision of NBDSA at its meeting held on 16.7.2021
NBSA considered the application for condonation of delay dated 14.6.2021 filed by the complainant under Proviso 1 to Regulation 8.2. and noted that the complainant may have misunderstood the Regulations and directed the complainant to file a fresh application explaining the delay of 4 days on his part in escalating the complaint to the Authority.

Decision of NBDSA at its meeting held on 8.1.2022
NBDSA considered the application seeking condonation of delay dated 1.12.2021 under proviso 1 to Regulation 8.2 of the News Broadcasting Standards Regulations. NBDSA decided that before proceeding further with the complaint, the broadcaster should be directed to submit its reply to the application, which would be placed in the next meeting of NBDSA for its consideration.

Decision of NBDSA at its meeting held on 10.2.2022
NBDSA considered the issues relating to condonation of delay at the second level of grievance redressal. Under Proviso 1 to Regulation 8.2, NBDSA decided to condone the delay and proceed with the hearing of the complaint.NBDSA decided to call both the parties for a hearing.

The following persons were present at the hearing on 9.3.2022:
Complainant:
Mr. Matin Mujawar
Mr. Ashish Kachave, Advocate

Broadcaster:
Ms. Ritwika Nanda, Advocate
Ms. Annie, Assistant Manager - Legal
Mr. Anurag Singh – Editorial Representative, ZMCL

Submissions of the Complainant:
खबरों का समय 11:20 सेकंड है जिस में सुधीर चौधरी ने गुरु तेक बहादुरजी की हत्या को लेकर इस्लाम को टारगेट किया है. गुरु तेक बहादुर के हत्या के कॉन्टेक्स्ट से भारतीय मुसलमानो/ अल्पसंख्यकों निशाना बनाना है.

ये खबरे और स्क्रीन पर लगातार दिखाई जा रही हेडलाइंस *"क्या आप गुरु तेक बहादुर के हत्यारे को जानते है"* इस बात का साबुत पेश करती है के गुरु तेक बहादुरजी के शहीद दिन पर इस तरह के खबरों से सिख समुदाय और भारतीय लोगों तक ZEE न्यूज़ द्वारा एक विशेष संदेश पहोचाया गया है. ऐसा संदेश पहुंचाया है जिसका मकसद लोगों में क्रोध निर्माण करना है. नफरत निर्माण करना है मुग़ल जो इस्लाम को मानने वाले थे, मुस्लमान थे इन के नाम से अल्पसंख्यकों के प्रति बदले की भावना जलना है."

अब हम आप से दो सवाल पूछना चाहते है पहला सवाल यह है के :-आप जानते है के महात्मा गांधी की हत्या किसने की थी ?; और दुसरा ये के सिखौं के नौंवे गुरु तेक बहादुर जी की हत्या किसने करवाई थी?; "महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे का नाम एक सेकंड में आगया होगा। ज्यादा सोचने की भी जरुरत नहीं पड़ी होगी, लेकिन गुरु तेक बहादुरजी के हत्यारे के नाम आप अभीतक याद नहीं कर पा रहे होंगे. आप कहेगे याद नहीं आरहा लेकिन हम आप को बता देते है उस हत्यारे का नाम है औरंगज़ेब जिसे आप कहते है मुग़ल शासक ... मुग़ल शासक औरंगज़ेब इतिहास कारों की जुबान में ... "

पुरे खबरों में गुरु तेक बहादुर के शहादत को जिस अंदाज में व्यक्त किया गया है उसे सुनकर कोई भी साधारण वयक्ति इसे भड़काऊ कहेगा. आगे सुधीर चौधरी ने इस विषय को लव जेहाद जो एक दंगा फ़ैलाने का और अल्पसंख्यक मुसलमानो प्रति नफरत फ़ैलाने का प्रभावशील हतियार है इस का इस्तेमाल हिंदुओं और मुस्लिमों ध्रुवीकरण करने के लिए किया गया है. धर्म परिवर्तन के विषय को लेकर आगे सुधीर चौधरी कहता है के "इस्लाम के नाम पर कैसे धर्म परिवर्तन करवाया जा रहा है. विवाह के समय शादी के समय जिसे अब लव जेहाद का नाम आजकल लोग देते है लेकिन ये कोई आज की समस्या नहीं है ये काम सेकड़ो हजारो वर्षो से हो रहा है और तबभी उस जमाने में भी इस्लाम के नाम पर धर्मपरिवर्तन करवाया जाता था. जबरदस्ती करवाया जाता था "

खबरों के नाम न्यूज़ माध्यम का गलत इस्तेमाल करके भड़काऊ भाषण का प्रयोग किया गया है और ये कार्य ZEE न्यूज़ द्वारा लगातार हो रहा है.इस तरह की खबरे देश को हिंसा के तरफ लेजाने वाली है. ZEE न्यूज़ द्वारा इस्तेमाल की गयी भाषा पत्रकारिता के आचरण और सिद्धांतो के विरुद्ध है नस्ली एवं धार्मिक सद्भाव तथा केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम 1995 की धारा 19 और 20 और टेलीविजन चैनलों नीति निर्देशों के खंड 8 का खंडन करने वाली है.

Submission of the Broadcaster:

Before proceeding on merits, the broadcaster submitted that the complainant had in all complaints filed by him urged that religious sentiments were hurt by airing of the impugned broadcasts. In this regard, the broadcaster drew the Authority's attention to paragraphs 73, 76 and 81 of the judgment of the Hon'ble Supreme Court in *Amish Devgan vs Union of India (2021)1 SCC 1* .

Relying on the judgment of the Hon'ble Supreme Court, the broadcaster submitted that hate speech is placed at a much higher pedestal than the allegation levelled by the complainant and that the threshold required for the complaint was much lower. That the impugned news did not have such impact as was being alleged in the complaint. Further, in the complaint, the complainant has only alleged the violation of Cable Television Network Act, 1995 and not violation of any NBDSA Guidelines and/or the Code of Ethics & Broadcasting Standards.

The broadcaster submitted that the allegations raised by the complainant were purely conjectures and that the impugned telecast was aired on 24.11.2020 however, till now, it had not resulted in incited religious sentiments. It submitted that the complainant hasfailed to demonstrate even a single instance to show that the impugned broadcast had hurt the religious sentiments.

In rebuttal, the complainant stated that the manner in which the news was broadcast had the tendency to incite and inflame religious sentiments.

The broadcaster submitted that the impugned programme was 'Daily News Analysis' aired on the occasion of the Martyrdom Day of 9th Sikh Guru, Guru Teg Bahadur. In the programme, the channel had fairly and objectively analysed and reported the verified historical facts related to Guru Teg Bahadur, particularly as to how he served humanity and mankind, and despite the sacrifice, he made not many people know much about him. That as per Noel King of California University, 'Guru Tegh Bahadur's was the first

martyr in the world to protect human rights'. The purpose of the impugned broadcast was only to highlight that while we have historical accounts of the Mughal Rulers, other heroes have been forgotten or do not find much importance in the books of history.

Decision

NBDSA went through the complaint, response from the broadcaster, and also gave due consideration to the arguments of the complainant and the broadcaster and reviewed the footage of the broadcast.

After considering the submissions of the complainant and the broadcaster, NBDSA observed that the broadcasters have the freedom to report on any topic of their choice. However, such reporting has to be in compliance with the well-established standards laid down under the Code of Ethics and Broadcasting Standards, Guidelines and Advisories.

On viewing the footage, NBDSA found no specific violation of the Code of Ethics and Broadcasting Standards or Guidelines in the broadcast, as the broadcast was based largely on facts. NBDSA, therefore, decided that no action was called for on the complaint.

NBDSA decided to close the complaint with the above observations and inform the complainant and the broadcaster accordingly.

NBDSA directs NBDA to send:
(a) A copy of this Order to the complainant and the broadcaster;
(b) Circulate this Order to all Members, Editors & Legal Heads of NBDA;
(c) Host this Order on its website and include it in its next Annual Report and
(d) Release the Order to media.

It is clarified that any statement made by the parties in the proceedings before NBDSA while responding to the complaint and putting forth their view points, and any finding or observation by NBDSA in regard to the broadcasts, in its proceedings or in this Order, are only in the context of an examination as to whether there are any violations of any broadcasting standards and guidelines. They are not intended to be 'admissions' by the broadcaster, nor intended to be 'findings' by NBDSA in regard to any civil/criminal liability.

Sd/-
Justice A.K Sikri (Retd.)
Chairperson

Place: New Delhi
Date : 13.06.2022